शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -2
February
2025

विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के कारण पड़ने वाले शैक्षणिक प्रभावों का विश्लेषात्मक अध्ययन

ज्योत्सना सिंह
शोधार्थी
डॉ. नीरज कुमार पाण्डेय
शोध पर्यवेक्षक
सेम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भोपाल (म.प्र.)

शोध सारांश

इंटरनेट की दुनिया ने सूचना क्रांति में आमूलचूल परिवर्तन किये है। शिक्षा का क्षेत्र हो, सामाजिक क्षेत्र हो, या फिरराजनीतिक का क्षेत्र, कोई भी क्षेत्र हो, इस परिवर्तन से अछूता नहीं रहा है। इंटरनेट की दुनिया ने सबसे ज्यादा सोशल मीडिया से समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है। दुनियाभर में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या में तेज गति से इजाफा हो रहा है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है, कि वर्तमान में सूचना क्रांति के दौर में शैक्षणिक उद्देश्यों को साकार करने के लिये शिक्षा में सूचना और प्रौद्यौगिकी के आधुनिक रूपों को काफी हद कर शामिल किया जा चुका है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म भी एक ऐसा ही मंच है, जिसको शिक्षा के साथ जोड़कर ज्यादा उपयोगी बनाया जा रहा है। हालांकि वर्तमान दौर में यह समस्या है, कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म को शिक्षा से जोड़ने के लिये प्राध्यापकों, प्रधानाध्यापकों के विशेषज्ञ होने के साथ ही देश के हर हिस्से में इंटरनेट की कनेक्टिविटी का होना आवश्यक है। इसके साथ ही शैक्षणिक, बुनियादी ढांचागत आवश्यकताओं के साथ ही वित्तीय निर्णय लिये जाना आवश्यक होगा।

हालांकि वर्तमान दौर में प्रौद्योगिकी क्रांति का बोलबाला रहा है। इस क्रांति के उपकरणों की बड़ी श्रृखंला है, जिसमें लेपटॉप, डेस्कटॉप, कम्प्यूटर, मोबाइल फोन, स्मार्ट फोन, टैबलेट, प्रोजेक्टर्स, स्कैनर्स प्रिंटर्स, डिजिटल कैमरे के साथ ही अन्य उपकरण भी शामिल है। इनमें से कुछ उपकरणों को सीधे इंटरनेट से जोड़ा जा सकता है, जबकि कुछ उपकरणों में साफ्टवेयर

का उपयोग किया जाता है। प्रौद्यौगिकी में लगातार विकास का काम संचालित हो रहा है। विकास की इस प्रक्रिया के बाद यह उम्मीद जताई जा रही है, कि अनेक डिजिटल डिवाईज विकसित की जा सकती है, जो सीधे इंटरनेट के माध्यम से तीव्र गति से संचालित की जा सकती है। सोशल मीडिया के इस दौर में सबसे ज्यादा फायदा विद्यार्थियों को दिलाया जा सकता है, लेकिन इसके लिये सोशल मीडिया प्लेटफार्म को शिक्षा से जोड़ना आवश्यक है। हालांकि यह काम इतना आसान नहीं है, क्योंकि फिलहाल भारत जैसे विविधताओं वाले देश में बुनियादी सुविधाओं का ही अभाव है। प्रस्तुत अध्ययन के दौरान विद्यार्थियों की शिक्षा पर सोशल मीडिया के प्रभावों का अध्ययन किया गया है।

कुंजीभूत शब्द

सोशल मीडिया, तकनीक, विद्यार्थियों, विविधता, शैक्षणिक प्रभाव आदि।

प्रस्तावना

आज के वैश्विक युग में, शिक्षा पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रभाव एक गतिशील कारक बन रहा है। सोशल मीडिया को अब एक शिक्षण मंच के रूप में माना जाता है, जो छात्रों की सहभागिता और क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद करता है। ये प्लेटफ़ॉर्म छात्रों को जुड़ने, संपर्क करने, जानकारी तक पहुँचने और शोध करने का अवसर प्रदान करते हैं।

यहाँ जिस तकनीक का उल्लेख किया गया है, वह फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं। और स्काइप, गूगल हैंगआउट या वेब वीडियो जैसे वीडियो प्रेजेंटेशन प्लेटफॉर्म भी हैं। इन तकनीकों ने फ़्लिप्ड क्लासरूम को जन्म दिया है और छात्रों तक ज्ञान पहुँचाने के तरीके को ही बदल दिया है।

हालाँकि, सोशल मीडिया का शिक्षा पर कई सकारात्मक प्रभाव पड़ता है जिसमें बेहतर संचार, समय पर जानकारी और ऑनलाइन सामाजिककरण आदि शामिल हैं। लेकिन साथ ही, इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी हैं जिनमें पहचान की चोरी, साइबर फ्रांड और सामाजिक अलगाव आदि शामिल हैं।

पूर्व में किये गये शोध अध्ययन

मुकुल श्रीवास्तव और सुरेन्द्र कुमार (2017) में प्रकाशित लेख- "सोशल मीडिया और युवा विकास" इन्होंने अपने लेख में बताया है कि सोशल मीडिया के द्वारा प्राप्त होने वाली शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार आदि से संबंधित खबरों के माध्यम से युवाओं की जानकारी में वृद्धि और विकास हुआ हैं। आज सभी सम्प्रदायों, जाति, धर्म और देशों के युवा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दिखाई देते हैं। इस प्रकार सोशल मीडिया के द्वारा युवा ज्यादा जागरूक हो रहे हैं। सोशल मीडिया ने युवाओं के विकास हेतु एक नया और बेहतर मंच प्रदान किया है।

ए. जेसू कुलंदयराज, (2017) 'इंपैक्ट ऑफ़ सोशल मीडिया ऑन द लाइफस्टाइल ऑफ़ यूथ'. इस लेख में बताया है कि वास्तव में सोशल नेटवर्किंग साइट्स जानकारी साझा करने, अपने विचारों को आकार देने, संस्कृतियों से लोगों को जोड़ने, सामाजिक कार्य में लोगों को भागीदार करने के रूप में एक शक्तिशाली अद्वितीय उपकरण के रूप में उभर रहा हैं। दुनियाँ भर के समुदाय अभी इस माध्यम के संचार को प्रभावित करने की क्षमता को समझने की सिर्फ शुरूआत कर रहे हैं। सोशल नेटवर्किंग साइट्स युवाओं को सामाजिक मुद्दों के खिलाफ उठाने और सामाजिक कल्याण के लिए जानकारी इन साइट्स पर साझा करने के लिए युवाओं को सक्षम बना रही हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

1. सोशल मीडिया का विद्यार्थियों की शिक्षा पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों का अध्ययन करना।
2. सोशल मीडिया का विद्यार्थियों पर शिक्षा पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन करना।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन सर्वेक्षण विवरणात्मक शोध प्रविधि से पूरा किया गया है। अध्ययन के दौरान विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि को आधार बनाया गया है।

E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -2
February
2025

छात्रों पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

तेजी से डिजिटल होते जा रहे युग में, सोशल मीडिया छात्रों के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में विकसित हुआ है। यह उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन पर कई सकारात्मक प्रभाव डालता है। इसके अलावा, अगर इसका बेहतर तरीके से उपयोग किया जाए तो यह छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने की क्षमता रखता है। सूचना का स्रोत होने के अलावा, यह छात्रों को शिक्षकों के साथ सहयोग करने और संवाद करने के लिए मंच प्रदान करता है। छात्रों पर सोशल मीडिया के अभी भी बहुत सारे सकारात्मक प्रभाव हैं।

कनेक्टिविटी

सोशल मीडिया ने संचार, सूचना साझाकरण और नेटवर्किंग को शामिल करते हुए एक बहुआयामी उपकरण के रूप में कार्य किया है। सोशल मीडिया ने छात्रों को समूह परियोजनाओं के लिए साथियों से जुड़ने, संसाधनों को साझा करने और कोर्सवर्क में मदद लेने में सक्षम बनाया है।

अध्ययन में सहायता

सोशल मीडिया की सबसे बड़ी ताकत कई विषयों पर जानकारी प्राप्त करना है। सोशल मीडिया सीखने को बढ़ाने के लिए शैक्षिक सामग्री और समाचारों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच प्रदान करता है। लाखों छात्रों ने इंटरनेट पर उत्तर खोजकर अपनी शंकाओं को दूर किया है।

मानसिक और सामाजिक कल्याण

सोशल मीडिया व्यक्तिगत जुड़ाव को बढ़ावा देता है, जिससे छात्रों को दूरी पर रहते हुए भी सामाजिक संबंध बनाए रखने में मदद मिलती है। इसने छात्रों के मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया है या नहीं, लेकिन बनाए रखा है। सोशल मीडिया ने छात्रों के समुदाय को वास्तविक समय में एक साथ लाकर वास्तविक दुनिया की दूरी को मिटा दिया है।

शोध साहित्य SHODH SAHITYA
INTERNATIONAL PEER REVIEWED E-RESEARCH JOURNAL
(समसामयिक विषयों पर केंद्रित बहुविषयक मासिक ई-शोध पत्रिका)
E-ISSN 2584-2447
Impact Factor – SJIF 2024 = 3.621
Vol -3
Issue -2
February
2025

कौशल विकास

सोशल मीडिया अक्सर कौशल विकास और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में मदद करता है। कई छात्र YouTube जैसे नए कौशल सीखते हैं और उनका पता लगाते हैं। यह प्लेटफ़ॉर्म उन्हें कोडिंग, कला, खाना पकाने और अन्य जैसे विभिन्न विषयों पर ट्यूटोरियल पाठ्यक्रम और संसाधन खोजने में मदद करता है।

कैरियर के अवसर

सोशल मीडिया उन छात्रों के लिए एक मूल्यवान उपकरण हो सकता है जो कैरियर के अवसरों का पता लगाना और उनका पीछा करना चाहते हैं। लिंक्डइन जैसे प्लेटफ़ॉर्म छात्रों को उद्योग के पेशेवरों से जुड़ने और नौकरी के अवसरों और इंटर्नशिप के बारे में अपडेट रखने की अनुमति देते हैं। छात्र सोशल मीडिया पर अपनी उपलब्धियों, परियोजनाओं और कौशल का प्रदर्शन भी कर सकते हैं, जो संभावित नियोक्ताओं या सहयोगियों का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं।

सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव

1-ध्यान भटकाने वाला

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक प्राथमिक कारक है जो ध्यान भटकाने और दिमाग को बाधित करने का कारण बन रहा है। छात्र पढ़ाई से अपना ध्यान भटका देते हैं और इसके बजाय सोशल नेटवर्किंग पर ब्राउज़िंग का आनंद लेते हैं। यह सब कुछ सीखने के बिना समय की बर्बादी की ओर ले जाता है।

2-स्व-शिक्षण को कम करना

छात्र उत्तर देने के लिए विशेष रूप से सोशल मीडिया और वेब पर उपलब्ध जानकारी पर निर्भर हैं। इससे छात्रों का सीखने और व्यक्तिगत रूप से जानकारी को याद रखने पर ध्यान कम हो सकता है।

3-स्वास्थ्य पर प्रभाव

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का लापरवाही से इस्तेमाल करने से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर मानसिक और शारीरिक दोनों तरह के प्रभाव पड़ सकते हैं। जो छात्र पर्याप्त आराम नहीं करते हैं और लगातार फोन या लैपटॉप पर लगे रहते हैं, उनकी आंखों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

4-गोपनीयता को लेकर सवाल

जिस हद तक निजी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है, वह सुरक्षित नहीं है। ज़्यादातर छात्र लगातार उस सामग्री का मूल्यांकन नहीं करते हैं जो वे ऑनलाइन प्रकाशित कर रहे हैं, जो महीनों या सालों बाद नकारात्मक परिणाम ला सकता है।

निष्कर्ष

छात्रों पर सोशल मीडिया के कई सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव हैं। यह छात्रों को एक-दूसरे से जुड़ने, अकादमिक रूप से सहयोग करने और शैक्षिक संसाधनों तक पहुँचने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, इसने कौशल विकास के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया है और छात्रों के लिए नए कैरियर के अवसर खोले हैं। सोशल मीडिया का ज़िम्मेदार और संयमित उपयोग छात्रों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यह विकास के लिए भी मूल्यवान हो सकता है।

सुझाव

शोध अध्ययन के लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये है, जो विद्यार्थियों के विकास और शिक्षा के क्षेत्रमें सहायक सिद्ध हो सकते है-

1. सोशल मीडिया के उपयोग पर पारिवारिक और शैक्षणिक स्तर पर निगरानी रखनी चाहिए।
2. सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर पारिवारिक और विद्यालय स्तर पर कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिए।

3. सामाजिक और नैतिक मूल्यों के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को सजग करना चाहिए।
4. सोशल मीडिया पर खबरों के संबंध में सेंसरशिप होनी चाहिए।
5. सोशल मीडिया के गलत उपयोग पर उचित कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए।
6. विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से सोशल मीडिया के सदुपयोग और दुरूपयोग के बारे में बताना चाहिए।
7. विद्यार्थियों में विभिन्न गतिविधियों को कराकर उन्हें इसके ज्यादा प्रयोग से हतोत्साहित करना चाहिए।
8. मोबाइल, नेट, लैपटाप पर लगातर जुडे रहने पर उसके दुष्प्रभाव से अवगत कराकर उन्हें ज्यादा इसका उपयोग करने से रोका जाए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. https://childmind.org/article/is-social-media-use-causing-depression/
2. https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC7364393/
3. https://www.pewresearch.org/internet/2021/04/07/social-media-use-in-2021/
4. https://www.helpguide.org/articles/mental-health/social-media-and-mental-health.htm#:~:text=However%2C%20multiple%20studies%20have%20found,about%20your%20life%20or%20appearance